पुस्तको के आधार पर देश मे प्रकाशित पुस्तकों की भारतीय राष्ट्रीय ग्रथसूची प्रकाशित करता रहा है ।

इसके अतिरिक्त राष्ट्रीय पुस्तकालय कलकत्ता ने 150 में 56 खण्डों को पूर्वव्याप्त टीकामय ग्रथसूची तैयार करने की एक योजना शुरु की । पुस्तकालय, ऐसी तीन ग्रंथसूचिया प्रकाशित कर चुका है तथा पाच और अधिक ग्रंथसूचिया जो विभिन्न अध्येताओ को सौपी गई थी, इस समय सकलन के विभिन्न स्तरो पर है । ऐसी ग्रथसूचियों का सकलन और प्रकाशन समय लगने वाला कार्य है । ग्रथसूची कार्य के लिए राष्ट्रीय पुस्तकालय के स्टाफ का बढाया जा रहा है और आशा की जाती है कि शेष कार्य शीघ्र ही पूरा हो जाएगा ।

(ख) विभिन्न भारतीय भाषाओ मे आम विश्वकोश प्रकाशित किये गये है जैसे कि "हिन्दी विश्वकोश', जो कि हाल ही मे नागरी प्रचारणी सभा ने सरकार की कुछ वित्तीय सहायता से 12 खण्डो मे प्रकाशित किया है ।

(ग) सरकार की जानकारी के अनुसार भारत मे प्रकाशित विश्वकोशो का एक विवरण सलग्न है, जिनमे भारत का पर्याप्त विवरण है । विवरण सभा पटल पर रख दिया गया है । **[ग्रथालय म रखा गया** । देखिये सख्या LT-3827/72]

भूमि की अधिकतम सीमा लागू करने के परिणामस्वरूप अतिरिक्त भूमि को अलाभकारी जोत होने से बचाने के लिए कार्यवाही

1957. **श्री ओंकार लाल बेरवा :**
श्री हुकम चन्द कछवाय :

क्या कृषि मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि यह सुनिश्चित करने के लिये क्या कार्यवाही करने का विचार है कि भूमि की अधिकतम सीमा लागू करने तथा वितरण के पश्चात जो भूमि फालतू होगी वह अलाभकारी जोत नही रहेगी ?

कृषि मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री अण्णासाहिब पी० शिन्दे) : अभी यह पता नही है कि कितनी फालतू भूमि प्राप्त हो सकगी और जिन्हे भूमि अलाट की जानी है उनकी सख्या भी काफी अधिक होने की सभावना है, इसलिए यह बता सकना सम्भव नही है कि उन्हे कितनी-कितनी और किस किस्म की भूमि दी जा सकेगी ।

Fertiliser Promotion Programme for 1972-73

1958. SHRI SUKHDEO PRASAD VERMA Will the Minister of AGRICULTURE be pleased to state:

(a) whether a Fertiliser Promotion Programme for the year 1972-73 has been finalised; and

(b) if so, the main features thereof?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF AGRICULTURE (SHRI ANNASAHEB P. SHINDE): (a) Yes.

(b) The main features of the ten point programme are as under:—

(i) Massive demonstration programme in selected districts on a package approach, in collaboration with the other demonstration programmes in respect of specific commodities like cotton, oilseeds, jute etc.

(ii) Training of V.L.Ws, Coop. Salesman, Extension Officers and other Officers in proper fertiliser use and management, so that they can assist the farmers on the efficient use of fertilisers.

(iii) Training of farmers including farmer women in the proper use and management of fertilisers in selected potential districts.

(iv) Dessemination of information material on the use of fertilisers through personal contact, group discussion and mass media such as film, radio and television.

(v) Organisation of fertiliser festivals in potential districts.

(vi) Strengthening of the existing soil testing laboratories in the districts, setting up of new ones and provision of mobile soil testing laboratories and strengthening the quality control measures at the Centre and in the States.

(vii) Increasing cooperative credit facilities to farmers for fertiliser use.

(viii) Credit to be given in kind as fertilisers as far as possible.

(ix) More selling points to be opened in each block

(x) Linking of Commercial Bank Credit Programme with fertiliser use on an area basis.

Progress of Rabi cultivation in Bihar

1959. SHRI SUKHDEO PRASAD VERMA Will the Minister of AGRICULTURE be pleased to state:

(a) whether progress of rabi cultivation in Bihar is not satisfactory as envisaged by the Centre, and

(b) if so, the measures Central Government is proposing to the Government of Bihar State to make the rabi crop in the State?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF AGRICULTURE (SHRI ANNASAHEB P. SHINDE): (a) It is not a fact that progress of rabi cultivation in Bihar is not satisfactory. The Bihar Government have launched a big Emergency Rabi Production Drive and the progress hitherto seems to be satisfactory.

(b) The Government of India have sanctioned Rs. 17.17 crores for implementation of the following irrigation works:—

1	2	3
		(Rs. in lakhs)
1.	Purchase and running of 500 new Emergency River Pumping sets	87·00
2.	Commissioning of 638 existing State Tubewells	200·00
3.	Erection of 149 kucha bundhs	18·00
4.	Improvement and renovation of 1100 surface flow irrigation works	60·00